खेल महाकुम्भ 2022 राजीव गांधी नवोदय विद्यालय देहरादून में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(01 अक्टूबर 2022)

जय हिन्द!

न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुम्भ 2022 की प्रतियोगिताओं के शुभारम्भ समारोह में यहां उपस्थित कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्या जी, अतिथि गण, अधिकारी गण, खेल प्रशिक्षक, शिक्षक एवं प्रतिभागी युवा शक्ति!

आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

यह एक बहुत ही सुन्दर अवसर है जब हम अपने युवाओं को खेलों के माध्यम से गांव से लेकर राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ाने की शुरूआत कर रहे हैं।

हमारे प्रदेश के अधिक से अधिक युवा खेलों में भाग लें, इसके लिए खेल, युवा कल्याण और शिक्षा विभाग की यह जुगलबंदी सराहनीय है।

हमारे देश के बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए 29 सितम्बर को ही गुजरात में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 36वें राष्ट्रीय खेलों की शुरूआत की है। वहां देश के अलग – अलग प्रान्तों से पन्द्रह हजार से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

हमारे लिए भी यह गर्व की बात है कि उत्तराखण्ड को 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन की जिम्मेदारी मिली है, तो उन खेलों में हम अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें इसके लिए हमें अभी से तैयारी करनी होगी।

आज से प्रदेश में जो खेल महाकुम्भ शुरू हो रहा है यह उसी दिशा में अच्छा वातावरण तैयार करने की पहल है।

एथलेटिक्स, कबड्डी, खो–खो, बॉलीबाल, फुटबाल, हैण्डबाल, बास्केटबाल, जूडो, ताईक्वांडो, बाक्सिंग, कराटे, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, हॉकी तथा मलखम्ब जैसे खेलों में आपको अपनी रूचि के अनुसार प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

इन खेलों के माध्यम से प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाडियों की प्रतिभा को चिन्हित करने का और उन्हे आगे बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

मुझे बताया गया है कि इस खेल महाकुंभ में अंडर–14, 17, 21 आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे और खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

इन खिलाड़ियों की प्रतिभा प्रदर्शन के लिए 'खेल महाकुंभ' की यह शुरूआत बहुत ही सराहनीय पहल है।

मुझे इस बात की भी बहुत प्रसन्नता है कि इन प्रतियोगिताओं में **दिव्यांग खिलाड़ियों** को भी विशेष अवसर दिये जा रहे हैं और उनकी भी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

हमारी कोई भी प्रतिभा अवसरों से वंचित नही रहनी चाहिए, यह सोच हम सभी को रखनी चाहिए।

खेलों के माध्यम से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है।

हमारे युवा खिलाड़ी अपनी रूचि के खेल में प्रतिभाग कर सकें इसके लिए खेल महाकुंभ में व्यवस्था बनायी गयी है।

खेल कोई भी हो सभी का लक्ष्य स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्क और एक दिव्य आत्मा का विकास करना होता है। यहां शरीर और मस्तिष्क तो महत्वपूर्ण हैं ही आत्मा के स्तर पर विकास करना प्रत्येक प्रशिक्षक और खिलाड़ी का लक्ष्य होना चाहिए।

ये आत्मा के स्तर तक विचार करना ही भारत को अन्य देशों से अलग करती है। भारत का चिंतन शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के स्तर तक रहा है और इसी लिए भारत का चिन्तन आध्यात्मिक चिन्तन कहलाता है अर्थात आत्मा के स्तर पर चिन्तन।

खेलों के माध्यम से भी हम अपनी इस महान शक्ति को प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए हमें शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से तो पुष्ट होना ही है साथ ही हर खेल को आत्मा के स्तर तक ले जाना है और विजय प्राप्त करनी है।

खेलों के माध्यम से शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के विकास के बल पर हम समाज का अच्छा नेतृत्व, सद्भावना से सहयोग और सेवा कर सकते हैं।

खेल में भाग लेने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि खेलों में केवल शारीरिक बनावट और ताकत

के बल पर ही जीत नहीं मिलती है, इसके लिए निरंतर अभ्यास, एकाग्रता, रणनीतिक कुशलता और बौद्धिक क्षमता का भी परिचय देना होता है।

इस लिए शरीर के आकार – प्रकार से नहीं अपितु अभ्यास, एकाग्रता, रणनीतिक कुशलता और बौद्धिक क्षमता के साथ – साथ दृढ़ संकल्प के साथ खेल के मैदान में उतरें।

जीत की भावना से खेलें, आगे बढ़ें और प्रदेश का नाम रोशन करें।

आज के समय में खेल कैरियर के लिए भी अनेक अवसर लेकर आ रहा है। खेलों के माध्यम से नाम और आजीविका दोनों ही प्राप्त की जा सकती है।

सरकार की ओर से खेल गतिविधियों के लिए अनेक योजनाओं की शुरूआत की गयी है। केन्द्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय खेल नीति, खेलो इण्डिया, फिट इण्डिया मूवमेंट जैसी राष्ट्रव्यापी योजनाओं को संचालित किया जा रहा है।

खेलों में देश को आगे बढ़ाने के लिएESC का गठन किया गया है और आने वाले ओलम्पिक खेलों के लिए लक्ष्य तय किये गये हैं।

'टारगेट ओलम्पिक पोडियम योजना' अर्थात् TOPS ओलम्पिक खेलों में भारत की हिस्सेदारी और प्रदर्शन को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है।

उत्तराखण्ड के युवा भी राष्ट्रीय खेलों से लेकर ओलम्पिक खेलों तक अपनी प्रतिभा दिखाएं, यह हर उत्तराखण्ड वासी की आकांक्षा है, सपना है। इन सपनों को आपने ही पूरा करना है।

हमारी सरकार इन्ही आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही है।

राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय खेलों में हुनर दिखाने के लिए हमें अपना प्रदर्शन सुधारना होगा।

हमें 38वें राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन के लिए जो जिम्मेदारी दी गयी है इस पर भी खरा उतरना होगा।

मेरी अपेक्षा है कि उत्तराखण्ड के युवा अभी से अपने लक्ष्य और अपनी तैयारियों में ध्यान केन्द्रित करें।

मुझे आपसे यह बात साझा करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि उत्तराखण्ड अपनी सीमित संसाधनो में भी राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

हमारा प्रदेश राष्ट्रीय खेलों की मेज़बानी करने के लिए हर आधारभूत आवश्यकताओं का विकास कर रहा है। हरिद्वार में एक राष्ट्रीय मानकों के अनुसार खेल स्टेडियम तैयार हो गया है। उधमसिंह नगर और देहरादून में भी राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल स्टेडियम बने हैं।

जैसे कि मैने पहले कहा है अभी दो दिन पहले ही 36वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात में

किया है। देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 15 हजार खिलाड़ी प्रशिक्षक और ऑफिशियल्स भाग ले रहे हैं।

37वें राष्ट्रीय खेल भी अगले साल गोवा में प्रस्तावित हैं, उन खेलों में भी उत्तराखण्ड का अधिक से अधिक योगदान हो इसके लिए परिश्रम करना होगा।

इन खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले प्रदेश के सभी युवाओं को बहुत – बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

38वें राष्ट्रीय खेलों का भव्य आयोजन उत्तराखण्ड के लिए एक सुनहरा अवसर होगा। देश के युवाओं के बीच में उत्तराखण्ड के युवाओं के लिए खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने का, अपने माता–पिता का, अपने गांव, प्रदेश और देश का नाम रौशन करने का यह एक अवसर होगा।

आज के समय में खेलों में भागीदारी की बहुत बड़ी आवश्यकता है, हमारे देश के युवा अधिक से अधिक संख्या में खेलों में आगे बढ़ रहे हैं, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में हमारे युवा देश का नाम रौशन कर रहे हैं।

उत्तराखण्ड के युवाओं के जोश, ज़ज्बे और हौसलों के बल पर हम खेलों की दुनिया में उत्तराखण्ड का नाम भी रौशन कर सकते हैं।

उत्तराखण्ड की पहचान **'वीर भूमि'** और **'सैनिक भूमि'** के रूप में है। देश की सेना में उत्तराखण्ड के जवान एक बड़ा योगदान दे रहे हैं। यहां के युवाओं का हौंसला बुलन्दियों पर है।

उत्तराखण्ड से प्रथम सीडीएस जनरल विपिन रावत जी रहे और हम सब के लिए एक गर्व की बात है कि दूसरे सीडीएस भी **ले. ज. अनिल चौहान** जी उत्तराखण्ड से ही बने हैं, ये हमारे उत्तराखण्ड के सैन्य समर्पण और कुशलता को दिखाते हैं।

आप सभी युवाओं को उत्तराखण्ड की इस वीरता की परंपरा और सैन्य परंपरा को जारी रखना होगा। हमें अपने पूर्वजों और ऐसी बड़ी प्रतिभाओं से प्रेरणा लेनी होगी।

इस खेल महाकुंभ में उत्तराखण्ड के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से **लगभग दो लाख पच्चीस हजार** युवा – खिलाड़ियों को इस खेल महाकुंभ में अपने हुनर का प्रदर्शन करने का अवसर मिल रहा है।

ये आयोजन पहले न्याय पंचायत, फिर विकास खण्ड, फिर जनपद एवं अन्त में राज्य स्तर पर आयोजित किये जाएंगे और खिलाड़ियों को हर स्तर पर एक नयी चुनौती और एक नया अवसर देंगे।

आज इन प्रतियोगिताओं के पहले चरण की शुरूआत हैं जो कि न्याय पंचायत स्तर की होने जा रही हैं। मैं प्रदेश के सभी युवाओं से अपील करता हूँ कि आप अधिक से अधिक संख्या में इन खेल प्रतियोगिताओं में भाग लें और आगे बढ़ें।

आज खेल महाकुम्भ की शुरूआत और कल दो अक्टूबर को **राष्ट्रपिता महात्मा गांधी** जी और पूर्व प्रधानमंत्री **श्री लाल बहादुर** शास्त्री जी की जयंती का एक सुन्दर संयोग भी है।

इन महापुरूषों का हमारे राष्ट्र के निर्माण में महान योगदान है। हमें अपने महापुरूषों से सदैव प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर राज्य मे स्वच्छता एवं जनजागरण अभियान चलाने का संकल्प लिया है।

मैं आप सभी से भी अपील करता हूँ कि अपने उत्तराखण्ड प्रदेश की स्वच्छता, समृद्धि और खुशहाली के लिए अधिक से अधिक योगदान दें।

आज कल **नवरात्रि के पवित्र पर्व** भी चल रहे हैं। उत्तराखण्ड देवभूमि है और यहां कदम – कदम पर पवित्र मंदिर, तीर्थ और सिद्ध पीठ हैं, आप सभी को इन **नवरात्रि पर्व की भी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।** कुछ दिन बात **दशहरा का पर्व** भी आने वाला है और इस पर्व को हम असत्य पर सत्य की विजय के रूप में देखते हैं।

अन्याचारी शक्तियों पर सदाचार की विजय के रूप में मनाते हैं हमें अपने इन पवित्र उत्सवों से भी सीख लेनी है और अन्याय अत्याचार के खिलाफ विजय प्राप्त करनी है।

और अन्त में मैं इस महा कुम्भ में भाग लेने वाले और व्यवस्था बनाने वाले **सभी युवा खिलाडियों, सभी अधिकारियों, प्रशिक्षकों और सहयोगियों को बहुत – बहुत शुभकामनाएं देता हूँ** और आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!